सहायक आचार्य प्रतियोगी परीक्षा – 2024 (संस्कृत शिक्षा विभाग) परीक्षा तिथि 17/9/2024

रीपाराशि

पुस्तिका में पृष्ठों की संख्या : 16
Number of Pages in Booklet : 16

पुस्तिका में प्रश्नों की संख्या : 150
No. of Questions in Booklet : 150

Paper Code : 25

PAS-24

इस प्रश्न-पुस्तिका को तब तक न खोलें जब तक कहा न जाए । Do not open this Question Booklet until you are asked to do so.

प्रश्न-पुस्तिका संख्या व बारकोड/
Question Booklet No. & Barcode

410697

Sub : Vyakaran-I
Paper-I

समय : 03 घण्टे + 10 मिनट अतिरिक्त*
Time : 03 Hours + 10 Minutes Extra*

अधिकतम अंक : 75
Maximum Marks : 75

प्रश्न-पुस्तिका के पेपर की सील/पॉलिथीन बैग को खोलने पर प्रश्न-पत्र हल करने से पूर्व परीक्षार्थी यह सुनिश्चित कर लें कि :
- प्रश्न-पुस्तिका संख्या तथा ओ.एम.आर. उत्तर-पत्रक पर अंकित बारकोड संख्या समान है ।
- प्रश्न-पुस्तिका एवं ओ.एम.आर. उत्तर-पत्रक के सभी पृष्ठ व सभी प्रश्न सही मुद्रित हैं । समस्त प्रश्न, जैसा कि ऊपर वर्णित है, उपलब्ध हैं तथा कोई भी पृष्ठ कम नहीं है/ मुद्रण त्रुटि नहीं है ।

किसी भी प्रकार की विसंगति या दोषपूर्ण होने पर परीक्षार्थी वीक्षक से दूसरा प्रश्न-पत्र प्राप्त कर लें । यह सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी अभ्यर्थी की होगी । परीक्षा प्रारम्भ होने के 5 मिनट पश्चात् ऐसे किसी दावे/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा ।

On opening the paper seal/polythene bag of the Question Booklet before attempting the question paper, the candidate should ensure that :
- **Question Booklet Number and Barcode Number of OMR Answer Sheet are same.**
- **All pages & Questions of Question Booklet and OMR Answer Sheet are properly printed. All questions as mentioned above are available and no page is missing/misprinted.**

If there is any discrepancy/defect, candidate must obtain another Question Booklet from Invigilator. Candidate himself shall be responsible for ensuring this. No claim/objection in this regard will be entertained after five minutes of start of examination.

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. **प्रत्येक प्रश्न के लिये एक विकल्प भरना अनिवार्य है ।**
2. **सभी** प्रश्नों के अंक समान हैं ।
3. प्रत्येक प्रश्न का मात्र **एक** ही उत्तर दीजिए । एक से अधिक उत्तर देने की दशा में प्रश्न के उत्तर को गलत माना जाएगा ।
4. **OMR** उत्तर-पत्रक इस प्रश्न-पुस्तिका के अन्दर रखा है । जब आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने को कहा जाए, तो उत्तर-पत्रक निकाल कर ध्यान से केवल **नीले बॉल पॉइंट पेन** से विवरण भरें ।
5. कृपया अपना रोल नम्बर ओ.एम.आर. उत्तर-पत्रक पर सावधानीपूर्वक सही भरें । गलत रोल नम्बर भरने पर परीक्षार्थी स्वयं उत्तरदायी होगा ।
6. **प्रत्येक गलत उत्तर के लिए प्रश्न अंक का 1/3 भाग काटा जायेगा ।** गलत उत्तर से तात्पर्य अशुद्ध उत्तर अथवा किसी भी प्रश्न के एक से अधिक उत्तर से है ।
7. **प्रत्येक प्रश्न के पाँच विकल्प दिये गये हैं, जिन्हें क्रमश: 1, 2, 3, 4, 5 अंकित किया गया है । अभ्यर्थी को सही उत्तर निर्दिष्ट करते हुए उनमें से केवल एक गोले (बबल) को उत्तर-पत्रक पर नीले बॉल पॉइंट पेन से गहरा करना है ।**
8. **यदि आप प्रश्न का उत्तर नहीं देना चाहते हैं तो उत्तर-पत्रक में पाँचवें (5) विकल्प को गहरा करें । यदि पाँच में से कोई भी गोला गहरा नहीं किया जाता है, तो ऐसे प्रश्न के लिये प्रश्न अंक का 1/3 भाग काटा जायेगा ।**
9.* **प्रश्न-पत्र हल करने के उपरांत अभ्यर्थी अनिवार्य रूप से ओ.एम.आर. उत्तर-पत्रक जाँच लें कि समस्त प्रश्नों के लिये एक विकल्प (गोला) भर दिया गया है । इसके लिये ही निर्धारित समय से 10 मिनट का अतिरिक्त समय दिया गया है ।**
10. **यदि अभ्यर्थी 10% से अधिक प्रश्नों में पाँच विकल्पों में से कोई भी विकल्प अंकित नहीं करता है, तो उसको अयोग्य माना जायेगा ।**
11. मोबाइल फोन अथवा अन्य किसी इलेक्ट्रोनिक यंत्र का परीक्षा हॉल में प्रयोग पूर्णतया वर्जित है । यदि किसी अभ्यर्थी के पास ऐसी कोई वर्जित सामग्री मिलती है तो उसके विरुद्ध आयोग द्वारा नियमानुसार कार्यवाही की जायेगी ।

चेतावनी : अगर कोई अभ्यर्थी नकल करते पकड़ा जाता है या उसके पास से कोई अनधिकृत सामग्री पाई जाती है, तो उस अभ्यर्थी के विरुद्ध पुलिस में प्राथमिकी दर्ज कराते हुए **राजस्थान सार्वजनिक परीक्षा (भर्ती में अनुचित साधनों की रोकथाम अध्युपाय) अधिनियम, 2022 तथा अन्य प्रभावी कानून एवं आयोग के नियमों-प्रावधानों** के तहत कार्यवाही की जाएगी । साथ ही आयोग ऐसे अभ्यर्थी को भविष्य में होने वाली आयोग की समस्त परीक्षाओं से विवर्जित कर सकता है ।

INSTRUCTIONS FOR CANDIDATES

1. **It is mandatory to fill one option for each question.**
2. **All** questions carry equal marks.
3. Only **one** answer is to be given for each question. If more than one answers are marked, it would be treated as wrong answer.
4. The **OMR** Answer Sheet is inside this Question Booklet. When you are directed to open the Question Booklet, take out the Answer Sheet and fill in the particulars carefully with **Blue Ball Point Pen** only.
5. Please correctly fill your Roll Number in **OMR** Answer Sheet. Candidate will themself be responsible for filling wrong Roll No.
6. **1/3 part of the mark(s) of each question will be deducted for each wrong answer.** A wrong answer means an incorrect answer or more than one answers for any question.
7. **Each question has five options marked as 1, 2, 3, 4, 5. You have to darken only one circle (bubble) indicating the correct answer on the Answer Sheet using BLUE BALL POINT PEN.**
8. **If you are not attempting a question then you have to darken the circle '5'. If none of the five circles is darkened, one third (1/3) part of the marks of question shall be deducted.**
9.* **After solving question paper, candidate must ascertain that he/she has darkened one of the circles (bubbles) for each of the questions. Extra time of 10 minutes beyond scheduled time, is provided for this.**
10. **A candidate who has not darkened any of the five circles in more than 10% questions, shall be disqualified.**
11. Mobile Phone or any other electronic gadget in the examination hall is strictly prohibited. A candidate found with any of such objectionable material with him/her will be strictly dealt as per rules.

Warning : If a candidate is found copying or if any unauthorized material is found in his/her possession, F.I.R. would be lodged against him/her in the Police Station and he/she would liable to be prosecuted under **Rajasthan Public Examination (Measures for Prevention of Unfair Means in Recruitment) Act, 2022 & any other laws applicable and Commission's Rules-Regulations.** Commission may also debar him/her permanently from all future examinations.

उत्तर-पत्रक में दो प्रतियाँ हैं – मूल प्रति और कार्बन प्रति । परीक्षा समाप्ति पर परीक्षा कक्ष छोड़ने से पूर्व परीक्षार्थी उत्तर-पत्रक की दोनों प्रतियाँ वीक्षक को सौंपेंगे, परीक्षार्थी स्वयं कार्बन प्रति अलग नहीं करें । वीक्षक उत्तर-पत्रक की मूल प्रति को अपने पास जमा कर, कार्बन प्रति को मूल प्रति से कट लाइन से मोड़ कर सावधानीपूर्वक अलग कर परीक्षार्थी को सौंपेंगे, जिसे परीक्षार्थी अपने साथ ले जायेंगे । परीक्षार्थी को उत्तर-पत्रक की कार्बन प्रति चयन प्रक्रिया पूर्ण होने तक सुरक्षित रखनी होगी एवं आयोग द्वारा माँगे जाने पर प्रस्तुत करनी होगी ।

25-□

1. सन् + सः = सन्त्सः इत्यत्र तकाररूपेण श्रूयमाण आगमः कः ?

(1) तुक्

(2) धुट्

(3) नुक्

(4) तुट्

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

2. उद् + स्थानम् – इत्यत्र सकारस्य पूर्वसवर्णादेशः कः भवति ?

(1) दकारः

(2) सकारः

(3) थकारः

(4) धकारः

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

3. अधस्तनलिखितेषु कतमदुदाहरणं "मोऽनुस्वारः" इति सूत्रस्य नास्ति –

(1) हरिं वन्दे

(2) मनांसि

(3) त्वङ्करोषि

(4) ग्रामङ्गन्ता

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

4. 'भोभगोअघोअपूर्वस्य योऽशि" इति सूत्रस्थे अघो तथा अपूर्वस्य इत्युभयत्र "एङः पदान्तादति" इत्यनेन कथन्न पूर्वरूपसन्धिः –

(1) असन्धिः निपातनात्

(2) असन्धिः सौत्रः

(3) असन्धिः बाहुलकात्

(4) असन्धिः प्रकृतिभावात्

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

5. 'ङमो ह्रस्वादचि ङमुण् नित्यम्' इति सूत्रस्योदाहरणं नास्ति –

(1) प्रत्यङ्ङात्मा

(2) सुगण्णीशः

(3) सन्नच्युतः

(4) सुगण् षष्ठः

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

6. "रो रि" इति सूत्रेऽस्मिन् लोपशब्दस्य कुतोऽनुवृत्तिः क्रियते ?

(1) ढो ढे लोप इत्यस्मात्

(2) राल्लोप इत्यस्मात्

(3) श्नान्नलोपः इत्यस्मात्

(4) हलो यमां यमि लोपः इत्यस्मात्

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

7. अतो रोरप्लुतादप्लुते सूत्रमिदं कस्यापवादः ?

(1) रुत्वस्य

(2) यत्वस्य

(3) यलोपस्य

(4) सत्वस्य

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

8. यस्योच्चारणे जिह्वाग्रोपाग्रमध्यमूलानां शैथिल्यं जायते सः कः ?

(1) लघूच्चारणः

(2) जिह्वामूलीयः

(3) दीर्घोच्चारणः

(4) उपध्मानीयः

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

9. 'सोऽचि लोपे चेत्पादपूरणम्' इति सूत्रस्थेन पादशब्देन ऋक्पाद एव गृह्यते–इति कस्याचार्यस्य मतम् ?

(1) भट्टोजिदीक्षितस्य

(2) माधवस्य

(3) वामनस्य

(4) भर्तृहरेः

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

10. 'नमस्पुरसोर्गत्योः' इत्यनेन किं विधीयते ?

(1) सत्वम्

(2) विसर्गत्वम्

(3) गतिसंज्ञा

(4) रुत्वम्

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

11. ङ्याप् प्रातिपदिकात् इत्यत्र ङ्याब्ग्रहणस्य फलमस्ति –
(1) लोहिनिका, लोहितिका
(2) अजा
(3) युवतिः
(4) गौरी
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

12. 'अट् कुप्वाङ्नुम्व्यवायेऽपि' इति सूत्रे आङ्ग्रहणं किमर्थम् ?
(1) पदान्तस्य इति निषेधार्थम्
(2) अनुस्वारोपलक्षणार्थम् ।
(3) णत्वनिषेधार्थम् ।
(4) 'पदव्यवायेऽपि' इति निषेधं बाधितुम् ।
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

13. शेषो घ्यसखि अत्र 'यू' इति अनुवृत्तेः फलमस्ति –
(1) हरौ
(2) सख्युः
(3) वातप्रम्ये
(4) मात्रे
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

14. सखायौ इत्यत्र णिद्वद्भावो भवति
(1) 'सख्युरसम्बुद्धौ' इति सूत्रेण
(2) 'अचो ञ्णिति' इति सूत्रेण
(3) 'ख्यत्यात्परस्य' इति सूत्रेण
(4) 'अनङ् सौ' इति सूत्रेण ।
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

15. अर्थवदधातुरप्रत्ययः प्रातिपदिकम् इत्यस्मिन् सूत्रे 'अप्रत्ययान्त' इति पदं किमर्थम् ?
(1) अहन् अत्र प्रातिपदिकसंज्ञा मा भूत् ।
(2) 'हरिषु' अत्र सुपः प्रातिपदिकसंज्ञा मा भूत् ।
(3) 'हरिषु' इति समुदायस्य प्रातिपदिकसंज्ञा मा भूत् ।
(4) श्येनायते – अत्र तिङः प्रातिपदिकसंज्ञा मा भूत् ।
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

16. आदेशप्रत्ययोः इति सूत्रे सः इति पदं कस्मात् सूत्रादनुवर्तते ?
(1) सहेः साडः सः इत्यतः ।
(2) ससञ्जुषोरुः इत्यतः ।
(3) विसर्जनीयस्य सः इत्यतः ।
(4) सोऽचि लोपे चेत्पादपूरणम् इत्यतः ।
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

17. एतेषु कस्यां विभक्तौ सर्वनामसञ्ज्ञाप्रयुक्तकार्याणि न भवन्ति ?
(1) चतुर्थ्येकवचने
(2) प्रथमाबहुवचने
(3) षष्ठीबहुवचने
(4) सप्तमीबहुवचने
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

18. 'अप्-तृन्' इत्यादि सूत्रे नप्त्रादि ग्रहणं व्युत्पत्तिपक्षे किमर्थम् ?
(1) विध्यर्थम्
(2) नियमार्थम्
(3) दीर्घार्थम्
(4) क्रोष्टारौ इति रूपसिद्ध्यर्थम्
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

19. "सख्या" इत्यत्र "आङो नाऽस्त्रियाम्" इति सूत्रेण ना कथन्न भवति –
(1) स्त्रीलिंगकत्वात् ।
(2) घिसंज्ञाया अभावात् ।
(3) आङः अभावात् ।
(4) नदीसंज्ञकत्वात् ।
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

20. हरिशब्दस्य सम्बुद्धौ केन गुणः स्यात् ?
(1) पुगन्तलघूपधस्य च
(2) ओर्गुणः
(3) मिदेर्गुणः
(4) ह्रस्वस्य गुणः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

[redacted]

21. 'ज्ञाने' इत्यत्र 'यस्येति च' इति अकार लोपः केन निषिध्यते ?

(1) 'सिति च' इत्यनेन ।
(2) 'जश्शसोः शिः' इत्यनेन ।
(3) 'औङः श्यां प्रतिषेधो वाच्यः' इत्यनेन ।
(4) 'उत्तरपदत्वे चापदादिविधौ' इत्यनेन ।
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

22. "विश्वौहः" इत्यत्र वृद्धिः केन भवेत् ?

(1) एत्येधत्यूठ्सु
(2) वृद्धिरेचि
(3) मृजेर्वृद्धि
(4) उतो वृद्धिर्लुकि हलि
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

23. तव मम इत्याभ्यां परस्य ङसः स्थाने किम् आदिश्यते ?

(1) अस्
(2) शस्
(3) खश्
(4) अश्
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

24. 'न ङिसम्बुद्ध्योः' इत्यत्र ङौ किमुदाहरणम् ?

(1) राज्ञि
(2) चर्मतिलः
(3) ब्रह्मनिष्ठः
(4) परमे व्योमन्
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

25. स्वरादीनां चादीनां च पृथक्पाठः किमर्थः ?

(1) अव्ययसंज्ञार्थः ।
(2) 'निपाता आद्युदात्ताः' इति स्वरभेदार्थः ।
(3) सत्त्ववाचिनामसत्त्ववाचिनां च अव्ययार्थः ।
(4) आकृतिगणार्थः ।
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

26. गोशब्दात्परं सर्वनामस्थानं भवति –

(1) णिद्वत्
(2) किद्वत्
(3) ङिद्वत्
(4) तृण्वत्
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

27. कसुन्प्रत्ययान्तः अव्ययः कः ?

(1) विसृपः
(2) मनसः
(3) माकिः
(4) अवसः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

28. "कृन्मेजन्तः" इति सूत्रस्य किमुदाहरणं नास्ति ?

(1) उदेतोः
(2) स्मारंस्मारम्
(3) जीवसे
(4) पिबध्यै
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

29. एषु अव्ययीभावश्च इति सूत्रदिशा अव्ययपदमस्ति –

(1) तत्र
(2) इतः
(3) अधिहरि
(4) भोक्तुम्
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

30. 'पञ्चाजी' इत्यत्र ङीप् प्रत्ययः केन सूत्रेण ?

(1) द्विगोः
(2) 'टिड्ढाणञ्द्वयसच्' इत्यादि सूत्रेण ।
(3) वयसि प्रथमे
(4) ऋन्नेभ्यो ङीप्
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

31. 'सम्भस्राजिनशणपिण्डेभ्यः फलात्' इत्यस्योदाहरणमस्ति –

(1) सत्पुष्पा
(2) संशूद्रा
(3) सम्फला
(4) देवविशा
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

32. 'अभीक्ष्णम्' इति किमर्थकः ?

(1) सहार्थकः
(2) बाहुल्यार्थकः
(3) पौनः पुन्यार्थकः
(4) अल्पार्थकः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

410697

33. 'प्राची' अत्र ङीप् भवति –
(1) 'उगितश्च' इत्यनेन ।
(2) 'द्विगोः' इति सूत्रेण ।
(3) 'वनो र च' इति सूत्रेण ।
(4) 'टिड्ढाणञ्' इत्यादि सूत्रेण ।
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

34. "बाह्वन्तात्संज्ञायाम्" सूत्रेण प्रत्ययो भवति –
(1) ङीप्
(2) ङीष्
(3) ऊङ्
(4) डाप्
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

35. 'ज्योतिषि' वाच्ये किं रूपं साधु ?
(1) तारिका
(2) तारकी
(3) तारका
(4) तारिकी
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

36. 'प्रत्ययस्थात्कात्पूर्वस्य' इत्यादि सूत्रे 'कात्' इत्यस्य प्रत्युदाहरणमस्ति –
(1) बहुपरिव्राजका नगरी
(2) नन्दना
(3) कदुका
(4) राका
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

37. 'न यासयोः' इति सूत्रेण प्रतिषेधो भवति –
(1) इत्वस्य
(2) टापः
(3) ङीपः
(4) ङीषः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

38. 'पचन्ती' अत्र नुम् भवति –
(1) 'उगिदचां सर्वनामस्थानेऽधातोः' इति सूत्रेण ।
(2) 'नपुंसकस्य झल चः' इति सूत्रेण ।
(3) 'शप्श्यनोर्नित्यम्' इति सूत्रेण ।
(4) 'इदितो नुम् धातोः' इति सूत्रेण ।
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

39. गङ्गका, गङ्गिका – इत्येतत् – सम्बद्धं सूत्रमस्ति –
(1) अभाषितपुंस्काच्च ।
(2) उदीचामातः स्थाने यकपूर्वायाः ।
(3) आदाचार्याणाम् ।
(4) संज्ञायाम् ।
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

40. 'तरुणी' इत्यत्र केन ङीप् ?
(1) 'वयसि प्रथमे' इत्यनेन ।
(2) नञ्स्नञीकक्' इत्यादिना ।
(3) 'टिड्ढाणञ्' इत्यादिना ।
(4) 'ऋन्नेभ्यो ङीप्' इति सूत्रेण ।
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

41. स्त्रीप्रत्ययाधिकारे तद्धितः प्रत्ययः अस्ति
(1) ऊङ्
(2) टाप्
(3) ति
(4) ङीन्
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

42. कुण्डोध्नी इत्यत्र प्रत्ययोऽस्ति –
(1) ङीप्
(2) ङीष्
(3) ङीन्
(4) अनङ्
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

43. 'कल्माषी' इत्यत्र केन सूत्रेण स्त्रीप्रत्ययः ?
(1) अन्यतो ङीष् ।
(2) वर्णादनुदात्तात्तोपधात्तो नः ।
(3) सर्वत्र लोहितादिकतन्तेभ्यः ।
(4) भस्त्रैषाजाज्ञाद्वास्वा नञ्पूर्वाणामपि ।
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

44. 'जीवका' इत्यत्र इत्वनिषेधो भवति –
(1) त्यकनश्च निषेधः इत्यनेन ।
(2) उत्तरपदलोपे न इत्यनेन ।
(3) आशिषि वुनश्च न इत्यनेन ।
(4) क्षिपकादीनां च न इत्यनेन ।
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

45. 'कर्तुरीप्सिततमं कर्म' अत्र 'ईप्सित' इत्यत्र कस्मिन्नर्थे क्त प्रत्ययोऽस्ति ?
(1) वर्तमाने
(2) भूते
(3) भविष्ये
(4) विध्यादिषु
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

46. 'व्रजमवरुणद्धि गाम्' इत्यत्र कस्य कारकस्य अविवक्षा ?
(1) अपादानस्य
(2) सम्प्रदानस्य
(3) अधिकरणस्य
(4) करणस्य
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

47. अनभिहिते इति सूत्रप्रसंगे केन अभिधानं न भवति ?
(1) विशेषणेन
(2) तिङा
(3) तद्धितेन
(4) समासेन
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

48. 'वेदार्थं स्वानवेदयत्' इत्युदाहरणमस्ति –
(1) बुद्ध्यर्थकस्य
(2) प्रत्यवसानस्य
(3) शब्दकर्मकस्य
(4) अकर्मकस्य
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

49. केशानां सन्निवेशविशेषे रूपं साधु भवति
(1) नागी
(2) काला
(3) शोणी
(4) कबरी
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

50. अधोलिखितेष्विदं सूत्रं कर्मप्रवचनीयाधिकारे नास्ति –
(1) अनुर्लक्षणे ।
(2) लक्षणेत्थं भूताख्यान ... ।
(3) उपान्वध्याङ्वसः ।
(4) अपिः पदार्थसम्भावना... ।
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

51. इत्थम्भूताख्यानस्य किमुदाहरणम् ?
(1) वृक्षं प्रति विद्योतते विद्युत् ।
(2) वृक्षं वृक्षं प्रति सिञ्चति ।
(3) भक्तो विष्णुं प्रति परि ।
(4) लक्ष्मीर्हरिं प्रति ।
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

52. 'दिवः कर्म च' इति सूत्रस्थेन चकारेण का सञ्ज्ञा गृह्यते ?
(1) करणसंज्ञा
(2) अधिकरणसंज्ञा
(3) कर्मसंज्ञा
(4) अपादानसंज्ञा
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

53. क्रियामात्रविषयं व्यापारनियतं भवति –
(1) कर्तृत्वम्
(2) हेतुत्वम्
(3) कर्मत्वम्
(4) करणत्वम्
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

54. 'गतिबुद्धि' इत्यादिसूत्रे के अकर्मकाः ?
(1) अविवक्षितकर्माणः
(2) विवक्षितकर्माणः ।
(3) येषां देशकालादिभिन्नं कर्म न सम्भवति, ते ।
(4) येषां देशकालादिरपि कर्मास्ति ते ।
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

55. वारणार्थानां धातूनां प्रयोगे ईप्सितोऽर्थः किं स्यात् ?
(1) कर्म
(2) करणम्
(3) अपादानम्
(4) सम्प्रदानम्
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

56. अत्र कस्य सूत्रस्य योगविभागः कृतः ?
(1) भुवः प्रभवः ।
(2) अन्तर्धौ येनादर्शनमिच्छति ।
(3) विभाषा गुणेऽस्त्रियाम् ।
(4) दूरान्तिकार्थेभ्यो द्वितीया च ।
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

57. 'साधकतमं करणम्' इत्यत्र तमब्ग्रहणेन किं ज्ञाप्यते ?
(1) करणसंज्ञा सर्वत्र मा भूत् ।
(2) अन्यत्रापि करणसंज्ञा यथा स्यात् ।
(3) कारकप्रकरणे गौणमुख्य-परिभाषा न प्रवर्तते ।
(4) वृक्षात्पर्णं पततीत्यत्र अपादानसंज्ञा यथा स्यात् ।
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

58. 'पयो नयति देवदत्तस्य' अत्र पयोनयनोद्देश्यत्वेऽपि देवदत्तस्य संप्रदानसंज्ञा कथं न भवति –
(1) पयसो दानकर्मत्वाभावात्
(2) 'कर्मणा' इति पददानात्
(3) षष्ठीविभक्तेः प्राबल्यात्
(4) फलाभावात्
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

59. 'भुवः प्रभवः' अत्र 'प्रभवः' इत्यस्य अर्थोऽस्ति
(1) प्रमुखं स्थानम्
(2) उत्पतनम्
(3) प्रकाशः
(4) प्रथमप्रकाशस्थानम्
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

60. उपर्यादिषु न आगच्छति –
(1) उपरि
(2) अधि
(3) धिग्
(4) अधः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

61. 'उपोधिके च' अत्र चकारात् किं समुच्चीयते ?
(1) 'हीने' इति ।
(2) कर्मप्रवचनीयसंज्ञा इति ।
(3) 'द्वितीया' इति ।
(4) 'सप्तमी' इति ।
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

62. गतिबुद्धीत्यादिसूत्रे ज्ञानसामान्यार्थानामेव ग्रहणमिति ज्ञायते –
(1) जल्पतिप्रभृतीनामुपसंख्यानमिति निर्देशात् ।
(2) 'भक्षेरहिंसार्थस्य न' इति निर्देशात् ।
(3) 'शब्दायतेर्न' इति निर्देशात् ।
(4) 'दृशेश्च' इति निर्देशात् ।
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

63. 'तिलेषु तैलम्' इत्यत्र कीदृश आधारः ?
(1) औपश्लेषिकः
(2) अभिव्यापकः
(3) वैषयिकः
(4) सामीपिकः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

64. 'पशुना रुद्रं यजते' इत्यत्र 'पशुना' इति प्रयोगे तृतीयाविभक्ति-विधायकम् अनुशासनं किम् ?
(1) धारेरुत्तमर्णः ।
(2) यजेः कर्मणः करणसंज्ञा सम्प्रदानस्य च कर्मसञ्ज्ञा ।
(3) इत्थम्भूतलक्षणे ।
(4) अधीगर्थदयेशां कर्मणि ।
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

65. 'जगतः कर्ता कृष्णः' अत्र 'जगतः' इत्यत्र षष्ठी वर्तते –
(1) शेषे
(2) अनुक्ते कर्मणि
(3) अनुक्ते कर्तरि
(4) अधिकरणे
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

410697

66. 'समया ग्रामम्' अत्र अव्ययीभावसमासो न भवति –
(1) समीपार्थत्वाभावात् ।
(2) अत्ययार्थत्वात् ।
(3) द्वितीया–विधानसामर्थ्यात् ।
(4) अव्ययत्वाभावात् ।
(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

67. 'सतृणमत्ति' इत्यत्र अव्ययीभावसमासः कस्मिन्नर्थे भवति ?
(1) साकल्यार्थे
(2) सादृश्यार्थे
(3) विभक्त्यर्थे
(4) समीपार्थे
(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

68. 'वीरपुरुषकः' इत्यत्र समासोऽस्ति –
(1) द्वन्द्वः
(2) बहुव्रीहिः
(3) तत्पुरुषः
(4) अव्ययीभावः
(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

69. 'कल्याणपञ्चमीकः' अत्र 'कप्' प्रत्ययः 'केन भवति' ?
(1) 'प्रतिपरिसमनुभ्योऽक्षणः' इत्यनेन ।
(2) 'नघृतश्च' इत्यनेन ।
(3) 'शेषाद्विभाषा' इत्यनेन ।
(4) उरः प्रभृतिभ्यः कप् इत्यनेन ।
(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

70. 'दुःखातीतः' इत्यस्य विग्रहोऽस्ति –
(1) दुःखादतीतः
(2) दुःखेनातीतः
(3) दुःखमतीतः
(4) दुःखेष्वतीतः
(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

71. प्राक्कडारात्समासः अत्र प्राग्ग्रहणं किमर्थम् ?
(1) अधिकारार्थम् ।
(2) 'सह सुपा' इत्यत्रान्वयार्थम् ।
(3) अव्ययीभावादिसंज्ञासमुच्चयार्थम् ।
(4) परिभाषात्वमपि स्यादिति बोधनार्थम् ।
(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

72. आपरशालः इत्यत्र पुंवद्भावः केन विहितः ?
(1) 'पुंवत् कर्मधारयजातीयदेशीयेषु' इत्यनेन ।
(2) 'स्त्रियाः पुंवत् ...' इत्यादिना ।
(3) 'सर्वनाम्नो वृत्तिमात्रे पुंवद्भावः' इत्यनेन ।
(4) 'अभाषितपुंस्काच्च' इत्यनेन ।
(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

73. 'कुपुरुषः' इत्युदाहरणमस्ति –
(1) 'उपपदमतिङ्' इत्यस्य ।
(2) 'षष्ठी' इत्यस्य ।
(3) 'कुगतिप्रादयः' इत्यस्य ।
(4) 'कर्मणि च' इत्यस्य ।
(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

74. 'अधिहरि' इत्यव्ययीभावसमासे 'अधि' शब्दः कस्यार्थस्य द्योतकः ?
(1) सप्तम्यर्थस्य
(2) पञ्चम्यर्थस्य
(3) तृतीयार्थस्य
(4) प्रथमार्थस्य
(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

75. अत्र तृतीयार्थबहुव्रीहेरुदाहरणमस्ति –
(1) प्राप्तोदकः
(2) ऊढरथः
(3) उपहृतपशुः
(4) पीताम्बरः
(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

76. 'तृतीया तत्कृतार्थेन गुणवचनेन' इत्यत्र 'तत्कृत' इत्यस्ति –
(1) लुप्तप्रथमांकम्
(2) लुप्तद्वितीयाकम्
(3) लुप्ततृतीयाकम्
(4) लुप्तचतुर्थीकम्
(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

410697

77. अत्र.अन्यतरस्यानुषङ्गिकत्वे किम्भवति ?
(1) अन्वाचयः
(2) समुच्चयः
(3) इतरेतरयोगः
(4) समाहारः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

78. 'तापस-पर्वतौ' इत्यत्र 'तापस' इत्यस्य पूर्वप्रयोगो केन भवति ?
(1) 'द्वन्द्वे घि' इत्यनेन ।
(2) 'अजाद्यदन्तम्' इत्यनेन ।
(3) 'अभ्यर्हितं च' इत्यनेन ।
(4) 'अल्पाच्तरम्' इत्यनेन ।
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

79. 'उपमानानि सामान्यवचनैः' इति सूत्रं किमर्थम् ?
(1) परनिपातनियमार्थम् ।
(2) पूर्वनिपातनियमार्थम् ।
(3) तत्पुरुषसमासाभावार्थम् ।
(4) कर्मधारयसमासाविधानार्थम् ।
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

80. समासप्रसंगे सामर्थ्यं कतिविधम् ?
(1) द्विविधम्
(2) त्रिविधम्
(3) चतुर्विधम्
(4) पञ्चविधम्
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

81. 'प्रत्यर्थम्' इत्यत्र अव्ययीभावसमासः कस्मिन्नर्थे ?
(1) योग्यतार्थे
(2) पदार्थानतिवृत्यर्थे
(3) सादृश्यार्थे
(4) वीप्सार्थे
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

82. 'रूपवद्भार्यः' इत्यस्य लौकिकविग्रहोऽस्ति –
(1) रूपमस्ति अस्या भार्यायाः ।
(2) रूपवती चासौ भार्या ।
(3) रूपवतीभार्या यस्य ।
(4) रूपवद्भार्या यस्य ।
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

83. किन्तावद् वृत्तेर्लक्षणम् ?
(1) परिनिष्ठितत्वात्साधुः ।
(2) वृत्त्यर्थावबोधकं वाक्यम् ।
(3) मिलितानामन्वयः ।
(4) परार्थाभिधानम् ।
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

84. पर्यध्ययनः इत्यस्य को विग्रहः ?
(1) परितोऽध्ययनाय
(2) परिगतोऽध्ययनाय
(3) परिवृतोऽध्ययनाय
(4) परिग्लानोऽध्ययनाय
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

85. भावे औत्सर्गिकं भवति –
(1) एकवचनं क्लीबत्वं च ।
(2) द्विवचनं क्लीबत्वं च ।
(3) एकवचनं पुंस्त्वं च ।
(4) बहुवचनं क्लीबत्वं च ।
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

86. दीक्षितमते 'केलिमर्' प्रत्ययः कस्मिन्नर्थे भवति ?
(1) भावे
(2) कर्तरि
(3) भावकर्मणोः
(4) कर्मकर्तरि
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

87. 'दानीयो विप्रः' अत्र अनीयर् प्रत्ययः कस्मिन्नर्थे भवति ?
(1) भावे
(2) कर्तरि
(3) कर्मणि
(4) सम्प्रदाने
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

88. न कपि इति सूत्रार्थबोधकः साधुविकल्पः कः ?
(1) कपि परे अणो, ह्रस्वो न स्यात् ।
(2) कपि परे कप्रयुक्तं कार्यं न स्यात् ।
(3) कप्प्रत्ययपरक उत्तरपदे भाषितपुंस्कस्य पुंवन्न स्यात् ।
(4) कपि परे समासान्तत्वप्रयुक्तं कार्यं न स्यात् ।
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

410697

89. 'ब्रह्मोद्यम्' इत्यत्र प्रत्ययोऽस्ति –

(1) यत्

(2) ण्यत्

(3) द्यत्

(4) क्यप्

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

410697

90. 'चजोः कुः घिण्यतोः' इत्यस्य सम्पूर्णं शुद्धमुत्तरं निर्दिशत –

(1) चस्य कुत्वं घिति ।

(2) चस्य कुत्वं ण्यति ।

(3) चस्य जस्य च कुत्वं घिति ण्यति प्रत्यये परे ।

(4) जस्य कुत्वं ण्यति ।

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

410697

91. 'मृजेर्विभाषा' इत्यनेन कः प्रत्ययः विधीयते ?

(1) यत्

(2) क्यप्

(3) ण्यत्

(4) तव्यत्

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

92. एतिस्तुशास्वृदृजुषः क्यप् – अत्र को धातुर्न गृहीतः ?

(1) इण्

(2) शास्

(3) वृङ्

(4) दृङ्

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

410697

93. 'पोरदुपधात्' इति कस्यापवादः ?

(1) अचो यत् इत्यस्य

(2) तव्यतः

(3) ण्यतः

(4) ण्वुलः

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

94. 'आदित्यं पश्यतीत्यादौ कर्मण्यण्' इति सूत्रेण अण् प्रत्ययः कथं न भवति –

(1) कृधातोरभावात् ।

(2) कर्मोपपदत्वाभावात् ।

(3) अनभिधानात् ।

(4) आदित्यस्य दर्शनाभावात् ।

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

95. 'असूर्यम्पश्या राजदाराः' इत्यत्र असूर्यमिति असमर्थसमासोऽस्ति । अत्र हेतुः कः ?

(1) नञः सूर्येण सह अन्वयात् ।

(2) दृशिना नञः सम्बन्धात् ।

(3) दृशिना नञोऽसम्बन्धात् ।

(4) सूर्यस्य दृशिना सम्बन्धात् ।

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

96. ब्रह्म-भ्रूण-वृत्रेषु क्विप् इत्यनेन क्विप्-प्रत्ययः कस्मिन्नर्थे ?

(1) वर्त्तमाने

(2) भविष्यति

(3) भूते

(4) वर्तमाने भूते च

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

97. आतश्चोपसर्गे इति सूत्रेण विहितः 'कः' कस्यापवादः ?

(1) णस्य

(2) अचः

(3) घञः

(4) शस्य

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

98. 'बुधः' इत्यत्र प्रत्ययोऽस्ति –

(1) अच्

(2) कः

(3) घञ्

(4) णः

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

99. पचिधातोर्यङ्न्ताण् ण्वुलि कृते किं रूपं साधु ?

(1) पापच्यकः

(2) पापाच्यकः

(3) पापचकः

(4) पापाचकः

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

100. पाणिनीय शिक्षानुसारेण यमाः सन्ति –

(1) चत्वारः

(2) षट्

(3) अष्टौ

(4) एकादश

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

101. पाणिनीयशिक्षानुसारं स्वराः सन्ति –

(1) अष्टादश

(2) द्वाविंशतिः

(3) द्वात्रिंशत्

(4) एकविंशतिः

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

102. वर्णानामुच्चारणस्थानानि कति सन्ति ?

(1) पञ्च

(2) अष्टौ

(3) द्वादश

(4) त्रीणि

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

103. कतिविधाः पाठका अधमा भवन्ति ?

(1) चतुर्विधाः

(2) पञ्चविधाः

(3) षड्विधाः

(4) अष्टधा

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

104. "अभिहितम्" इत्यत्र कस्तावद् धातुः ?

(1) भिहि

(2) हि

(3) ध्यै

(4) डु धाञ्

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

105. यमानामुच्चारणस्थानमस्ति –

(1) कण्ठ तालु

(2) ओष्ठौ

(3) कण्ठोष्ठम्

(4) नासिका

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

106. वर्णोच्चारणप्रक्रियायां मारूतं कः प्रेरयति ?

(1) मनः

(2) कायाग्निः

(3) बुद्धिः

(4) आत्मा

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

107. अचाम् आभ्यन्तरयत्नोऽस्ति –

(1) अस्पृष्टाः

(2) स्पृष्टाः

(3) नेमस्पृष्टाः

(4) ईषत्स्पृष्टाः

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

108. वेदस्य 'पादौ' किम् ?

(1) ज्योतिषम्

(2) छन्दः

(3) कल्पः

(4) निरुक्तम्

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

109. 'शिखी' कतिमात्रं रौति ?

(1) त्रिमात्रम्

(2) द्विमात्रम्

(3) अर्धमात्रम्

(4) एकमात्रम्

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

110. कं हकारम् उरस्यं विजानीयात् ?

(1) ऊष्मभिर्युक्तं हकारम्

(2) तृतीयवर्णयुक्तं हकारम्

(3) पञ्चमैर्युक्तं हकारम्

(4) प्रथमयुक्तं हकारम्

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

410697
410697
410697

111. य्वन्तमेकाक्षरम् इति सूत्रेण किं लिङ्गं बोध्यते ?

(1) पुँल्लिङ्गम्

(2) स्त्रीलिङ्गम्

(3) नपुंसकलिङ्गम्

(4) पुंनपुंसकम्

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

112. एतेषु कः शब्दः स्त्रीलिङ्गे बहुवचने एव प्रयुज्यते ?

(1) सरित्

(2) संवित्

(3) वर्षा

(4) विंशति

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

113. शष्कुलिः इति शब्दः कस्मिन् लिङ्गे भवति ?

(1) नपुंसकलिङ्गे

(2) पुँल्लिङ्गे

(3) स्त्रीलिङ्गे

(4) पुं-स्त्रीलिङ्गे

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

114. क्षत्रियभिन्नो यो नाभिशब्दः सः कस्मिन् लिङ्गे भवति ?

(1) पुँल्लिङ्गे

(2) स्त्रीलिङ्गे

(3) नपुंसकलिङ्गे

(4) पुं-नपुंसकलिङ्गे

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

115. एषु प्रातिपदिकेषु नपुंसकलिङ्गकं कतमदस्ति ?

(1) 'विस्तर' इति

(2) 'चय' इति

(3) 'यज्ञ' इति

(4) 'भय' इति

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

410697

116. मरुत इति शब्दः कस्मिन् लिङ्गे ?

(1) पुँल्लिङ्गे

(2) स्त्रीलिङ्गे

(3) नपुंसकलिङ्गे

(4) स्त्रीलिङ्गे नपुंसकलिङ्गे च

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

117. द्रोणशब्दः कस्मिन् लिङ्गे भवति ?

(1) पुँल्लिङ्गे

(2) स्त्रीलिङ्गे

(3) नपुंसकलिङ्गे

(4) पुँल्लिङ्गे नपुंसकलिङ्गे च

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

118. 'इनसभम्' अत्र नपुंसकलिङ्गं केन भवति ?

(1) 'सभाया यः' इत्यनेन

(2) 'द्वन्द्वैकत्वम्' इत्यनेन

(3) 'नपुंसकम्' इत्यनेन

(4) 'राजाऽमनुष्यपूर्वा सभा' इत्यनेन

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

119. ध्वजशब्दः कस्मिन् लिङ्गेऽस्ति ?

(1) पुँल्लिङ्गे

(2) स्त्रीलिङ्गे

(3) नपुंसकलिङ्गे

(4) पुँल्लिङ्गे नपुंसकलिङ्गे च

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

120. भावे या निष्ठा तदन्ताः शब्दाः कस्मिन् लिङ्गे भवन्ति ?

(1) पुँल्लिङ्गे

(2) स्त्रीलिङ्गे

(3) नपुंसकलिङ्गे

(4) पुँल्लिङ्गे स्त्रीलिङ्गे च

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

121. तुल्यास्यप्रयत्नमिति सूत्रे आस्यशब्दस्य अर्थोऽस्ति
(1) मुखम्
(2) ताल्वादिस्थानम्
(3) आभ्यन्तरयत्नः
(4) बाह्ययत्नः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

122. संयोगे परे ह्रस्वं किं संज्ञकम् उच्चार्य्यते ?
(1) गुरुसंज्ञकम्
(2) ह्रस्वसंज्ञकम्
(3) प्लुतसंज्ञकम्
(4) उदात्तसंज्ञकम्
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

123. अल्पप्राणाः वर्णाः के सन्ति ?
(1) य, व, छ
(2) क, ङ, श
(3) क, प, व
(4) ट, र, स
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

124. सवर्णस्य ग्रहणकशास्त्रमस्ति –
(1) नाऽऽज्झलौ
(2) पूर्वत्रासिद्धम्
(3) तुल्यास्यप्रयत्नं सवर्णम्
(4) अणुदित्सवर्णस्य चाप्रत्ययः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

125. 'तस्यादित उदात्तमर्धह्रस्वम्' इत्यत्र 'तस्य' इति पदेन किं गृह्यते ?
(1) उदात्तः
(2) अनुदात्तः
(3) निघातः
(4) स्वरितः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

126. ऋलृवर्णयोरित्यत्र प्रकृतिभावः केन भवति ?
(1) प्लुतप्रगृह्या अचि नित्यम् ।
(2) ऋत्यकः ।
(3) इकोऽसवर्णे शाकल्यस्य ह्रस्वश्च ।
(4) सिति च ।
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

127. 'भूवादयो धातवः' इत्यत्र द्वितीय-आदि शब्दः अस्ति –
(1) प्रभृतिवचनः
(2) प्रकारवचनः
(3) ज्ञानवचनः
(4) 'भू' इत्यत्र अन्वयार्थः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

128. येन विधिस्तदन्तस्य इति सूत्रे 'येन' इत्यत्र तृतीया अस्ति –
(1) करणे
(2) हेतौ
(3) कर्तरि
(4) सहार्थे
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

129. 'प्रत्याहारेष्वितां न ग्रहणम्' इत्यत्र किं ज्ञापकम् ?
(1) 'हलन्त्यम्' इति निर्देशः ।
(2) 'आदिरन्त्येन सहेता' इति निर्देशः ।
(3) 'अनुनासिक' इत्यादि निर्देशः ।
(4) 'संहितायाम्' इति निर्देशः ।
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

130. अणुदित्सूत्रे 'अण्' परेण गृह्यते, अत्र किं प्रमाणमस्ति ?
(1) ऋत उत्
(2) आद् गुणः
(3) अदेङ् गुणः
(4) वृद्धिरादैच्
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

410697

131. आन्तर्यं कतिविधम् ?

(1) द्विविधम्

(2) त्रिविधम्

(3) चतुर्विधम्

(4) पञ्चविधम्

(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

132. 'स्थानेऽन्तरतम' इति सूत्रस्थः अन्तरशब्दो निम्नेषु कस्यार्थस्य बोधकः ?

(1) अन्तरा-पर्यायः

(2) प्रसंग-पर्यायः

(3) आभ्यन्तरयत्न-पर्यायः

(4) सदृश-पर्यायः

(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

133. 'मिदचोऽन्त्यात् परः' इति सूत्रे 'अचः' इति कस्मिन्नर्थे षष्ठी ?

(1) निर्धारणे

(2) सम्बन्ध-सामान्ये

(3) कृद्योगे

(4) प्रातिपदिकार्थे

(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

134. गुणवृद्धिशब्दाभ्यां यत्र गुणवृद्धी विधीयेते तत्र 'इकः' इति कीदृशं पदमुपतिष्ठते ?

(1) प्रथमान्तम्

(2) द्वितीयान्तम्

(3) पञ्चम्यन्तम्

(4) षष्ठ्यन्तम्

(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

135. मिदागमः कस्य अवयवो भवति ?

(1) यस्य समुदायस्य मिद्विहितस्तस्य समुदायस्यान्तावयवः

(2) परस्य आद्यवयवः

(3) अभक्तः

(4) पूर्वपरयोरवयवः

(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

410697
410697
410697

136. यत्रानेकविधमान्तर्यं तत्र कुतः आन्तर्यं बलीयः ?

(1) स्थानतः

(2) अर्थतः

(3) गुणतः

(4) प्रमाणतः

(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

137. 'इको यणचि' इत्यत्र इक्शब्देन कति वर्णा गृह्यन्ते ?

(1) पञ्चषष्टिः

(2) त्रिषष्टिः

(3) सप्तषष्टिः

(4) षट्षष्टिः

(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

138. 'सुद्ध्य्युपास्य' इत्यत्र कस्मिन् पक्षे यकारस्यापि द्वित्वम् ?

(1) मय इति षष्ठी यण इति पञ्चमी इति पक्षे ।

(2) मय इति पञ्चमी यण इति षष्ठी इति पक्षे ।

(3) मय इति प्रथमा यण इति षष्ठी इति पक्षे ।

(4) मय इति षष्ठी यण इति प्रथमा इति पक्षे ।

(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

139. 'वान्तो यि प्रत्यये' इत्यत्र वकारप्रश्लेषस्य किं फलम् ?

(1) अयादिविधानं स्यात् ।

(2) वकारलोपः स्यात् ।

(3) मुखसुखार्थम् ।

(4) श्रूयमाणवकारान्तादेशः स्यात् ।

(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

140. 'तस्मिन्निति निर्दिष्टे पूर्वस्य' इत्यत्र 'निर्' शब्दः किमर्थपरः ?

(1) उच्चारणक्रियः

(2) नैरन्तर्यपरः

(3) आन्तर्यपरः

(4) व्यवहितपरः

(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

141. द्वित्वं लस्यैव कस्यैव ... इति कारिका कस्मिन् सन्दर्भे ?
(1) तवल्कार इत्यत्र ।
(2) कृष्णार्द्धिः इत्यत्र ।
(3) ओयते इत्यत्र ।
(4) कृष्णैकत्वम् इत्यत्र ।
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

142. निम्नलिखितेषु असाधुरूपमस्ति –
(1) ममैव
(2) उपेडकीयति
(3) अवैहि
(4) स्वैरः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

143. एतेष्वशुद्धं रूपं चिनुत –
(1) अवेहि
(2) प्रौढः
(3) प्रौढवान्
(4) प्रैषः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

144. 'अनवक्लृप्तिः' इत्यस्य कोऽर्थः ?
(1) अनवधारणम्
(2) निश्चयः
(3) विपरीतः
(4) ऋजुः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

145. 'प्राच्र्छति' इत्यत्र रेफस्य विसर्गः कथं न भवति
(1) 'खरवसानयोरि' ति निर्देशात्
(2) खरभावात्
(3) पदान्तरेफाभावात्
(4) कर्तरि चर्षिदेवतयोरिति निर्देशात्
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

146. "इकोऽसवर्णे शाकल्यस्य ह्रस्वश्च" सूत्रमिदं कुत्र न प्रवर्तते ?
(1) कृदन्ते
(2) तद्धिते
(3) तिङन्ते
(4) समासे
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

147. न पदान्ताट्टोरनाम् इत्यत्र अनाम् इति कीदृशं पदम् ?
(1) लुप्तप्रथमाकम्
(2) लुप्तपञ्चमीकम्
(3) लुप्तषष्ठीकम्
(4) लुप्तसप्तमीकम्
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

148. 'स्थानप्रयत्नाभ्यामन्तरतमे स्पर्शे चरितार्थो विधिरयं रेफेन प्रवर्तते' – वाक्यमिदं कस्य प्रयोगस्य प्रसङ्गे उपात्तम् ?
(1) षण्णगर्यः
(2) चिद्रूपम्
(3) तन्मात्रम्
(4) चतुर्मुखः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

149. सुमेलयत –

i.	ङमो ह्रस्वादचि ङमुण्नित्यम्	A.	सन्त्सः
ii.	डः सि धुट्	B.	प्राङ्क्षष्ठः
iii.	नश्च	C.	सन्नच्युतः
iv.	ङ्णोः कुक्टुक्शरि	D.	षट्त्सन्तः

	i	ii	iii	iv
(1)	C	D	A	B
(2)	C	D	B	A
(3)	D	C	A	B
(4)	D	A	C	B

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

150. 'सर्वत्र विभाषा गोः' इत्यत्र 'पदान्ते' इति पदस्य प्रयोजनं किम् ?
(1) 'गो अग्रम्' इत्यत्र प्रकृतिभावार्थम् ।
(2) 'गोऽग्रम्' इत्यत्र पूर्वरूपार्थम् ।
(3) 'गवाग्रम्' इत्यत्र प्रकृतिभावाभावार्थम् ।
(4) 'गोः' इत्यत्र प्रकृतिभावाभावार्थम् ।
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

रफ कार्य के लिए स्थान / SPACE FOR ROUGH WORK

410697

410697

410697